संक्षिप्त

शास्त्रीय संगीत संध्या 4 को

बीकानेर (निसं)। आकाशवाणी बीकानेर द्वारा 'आकाशवाणी के 90 गौरवशाली वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संगीत प्रेमियों के लिए शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन 4 मई को वेटरनरी ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में असित गोस्वामी और अमित गोस्वामी सितार और सरोद पर जुगलबंदी प्रस्तुत करेंगे।तबले पर संगत शब्बीर हुसैन की रहेगी। इस आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. सुमंत व्यास (कुलगुरु), राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर होंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सहायक निर्देशक (कार्यक्रम) अमित सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य आकाशवाणी की गौरवशाली विरासत को साझा करना तथा जन-भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में राजऔलाल असवाल, उप महानिदेशक (अभियांत्रिकी) क्लस्टर प्रमुख भी उपस्थित रहेंगे।

उरमूल पशुपालकों को अब प्रति किलो 2 रुपए ज्यादा देगा

बीकानेर (निसं)। उत्तरी राजस्थान सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (उरमूल) ने दुग्ध उत्पादकों को बड़ी आर्थिक राहत देते हुए खरीद दर में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। मई माह से प्रभावी हुए इस निर्णय का सीधा लाभ बीकानेर और आसपास के हजारों पशुपालक परिवारों को मिलेगा। पशु आहार और प्रबंधन की बढ़ती लागत को देखते हुए संघ ने उत्पादकों को प्रोत्साहित करने के लिए यह कदम उठाया है। प्रबंध संचालक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि बढ़ी हुई दर से ग्रामीण परिवारों की आय में इजाफा होगा। चेयरमैन नोपाराम जाखड़ के अनुसार, इस बढ़ोतरी से न केवल पशुपालन गतिविधियां मजबूत होंगी, बल्कि दुग्ध सहकारी समितियों के संकलन में भी तेजी आएगी।

सूरतगढ़ में स्वच्छता पर रात में भी काम

सूरतगढ़ (निसं)। शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिका प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अधिशासी अधिकारी पूजा शर्मा के निर्देशानुसार कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने और रात्रिकालीन सफाई अभियान शुरू किया गया है। स्वच्छता निरीक्षक मनिंदर सारसर के नेतृत्व में सफाई कर्मचारियों की टीम मुख्य बाजार सहित प्रमुख स्थानों पर रात में भी सफाई अभियान चला रही है। विशेष रूप से रात के समय लगने वाली फास्ट फूड, जूस और आइसक्रीम की रेहड़ियों से उत्पन्न कचरे को तुरंत उठाकर सड़कों को सफाई शुरू की गई है, जिससे सुबह बाजार क्षेत्र स्वच्छ नजर आए। नगर पालिका द्वारा सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा डालने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। ऐसे लोगों को पहले जागरूक किया जा रहा है और जुर्माने के नियमों की जानकारी दी जा रही है। इसके बावजूद उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा और लगातार नियम तोड़ने पर उनका सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अधिशासी अधिकारी पूजा शर्मा ने बताया कि स्वच्छता से जुड़े नियमों की जानकारी मुख्य बाजार के साथ-साथ गली-मोहल्लों में भी घर-घर पहुंचाई जा रही है।

बूस्टर पर लगाम के लिए 45 मिनट कटेगी बिजली

बीकानेर (निसं)। शहर में नहरबंदी के बीच पेयजल संकट से निपटने और पानी के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की सप्लाई के दौरान 30 से 45 मिनट के लिए बिजली बंद रखी जाएगी।

साहित्यकार भंवरलाल भ्रमर व जोधपुर की रचनाकार संतोष चौधरी सम्मानित

■ गोयल स्मृति राजस्थानी कथा-साहित्य पुरस्कार भंवरलाल 'भ्रमर' और जोधपुर की संतोष चौधरी को अर्पित

बीकानेर (निसं)। मुक्ति संस्था द्वारा पांचवां पोकरमल-राजरानी गोयल स्मृति राजस्थानी कथा-साहित्य पुरस्कार 2026 समारोह शनिवार देर शाम को स्टेशन रोड स्थित होटल राजमहल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीकानेर के वरिष्ठ साहित्यकार भंवरलाल भ्रमर को उनकी कृति 'उपरलो पासो' तथा जोधपुर की रचनाकार संतोष चौधरी को उनके कहानी-संग्रह 'काया री कळझळ' के लिए सम्मान अर्पित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार बुलाकी शर्मा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. नितिन गोयल मंचासीन रहे। मुक्ति संस्थान के सचिव कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि अब तक नौ कहानीकारों को पुरस्कृत किया जा चुका है, उन्होंने पुरस्कृत किए गए साहित्यकारों के बारे में विस्तार से बताया। जोशी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि

गोयल स्मृति राजस्थानी कथा-साहित्य पुरस्कार भंवरलाल 'भ्रमर' और जोधपुर की संतोष चौधरी को अर्पित करते वरिष्ठ साहित्यकार बुलाकी शर्मा

पोकरमल राजरानी गोयल राजस्थानी कथा साहित्य पुरस्कार का मकसद सिर्फ एक पुस्तक या उपन्यास का चयन नहीं, बल्कि पूरे राजस्थानी साहित्य समुदाय को जागृत करना है। जब राजस्थानी की कहानी, जो आम तौर पर घरों की चौपड़ों और बीरों की सभाओं तक सीमित रहती थी, मंच पर पुरस्कार के रूप में घोषित होती है, तो वह यह संदेश देती है कि यह भाषा अब केवल गाँव की नहीं, बल्कि शहरों, विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय चर्चा की भी भाषा बन सकती है।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नरेश गोयल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि लगातार पांचवें वर्ष राजस्थानी भाषा और साहित्य के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले साहित्यकारों को पोकरमल और राजरानी गोयल की स्मृति में यह सम्मान अर्पित किए गए है। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि भाषा और साहित्य किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। ऐसे आयोजनों से सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती मिलती है। उन्होंने आयोजकों को क्रमिक रूप से ऐसे आयोजनों के लिए साधुवाद दिया।

मुख्य अतिथि बुलाकी शर्मा ने राजस्थानी साहित्य की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आयोजकों द्वारा सर्वश्रेष्ठ लेखन और लेखक का चयन इस अत्यन्त गरिमामय कार्यक्रम के लिए किया है। विशिष्ट अतिथि डॉ. नितिन गोयल ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। ऐसे आयोजनों से नई प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अपनी विशेष पहचान बना चुका है। इससे पहले वरिष्ठ साहित्यकार मधु आचार्य 'आशावादी' ने पिछले पांच वर्षों की पुरस्कार परंपरा और निर्णय प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता और गुणवत्ता इस सम्मान की सबसे बड़ी विशेषता है। इसके लिए निर्णायक मंडल ने हमेशा साहित्यिक मानकों को सर्वोपरि रखा। दोनों कहानीकारों को अतिथियों ने अभिनंदन पत्र, स्मृति चिह्न, श्रीफल, शॉल, ग्यारह हजार रुपए का चेक भेंट कर सम्मान किया।

पुरस्कृत लेखिका संतोष चौधरी ने कहा कि राजस्थानी भाषा में सृजन करना उनके लिए आत्मिक संतोष का विषय है और यह सम्मान उनके लेखन को नई दिशा देगा। संतोष चौधरी के अभिनंदन पत्र का वाचन संजय पुरोहित ने तथा भंवरलाल भ्रमर के अभिनंदन पत्र का वाचन राजाराम स्वर्णकार ने किया। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष राजेश गोयल ने आभार व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों और उपस्थित साहित्यप्रेमियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन ज्योति प्रकाश रंगा ने किया।

शिक्षक संघ उपशाखा बज्जू का वार्षिक अधिवेशन

बीकानेर (निसं)। शिक्षक संघ (शेखावत) उपशाखा बज्जू का वार्षिक अधिवेशन तहसील के ग्राम गोडू में जिला कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक अशोक कुमार यादव, महेंद्र सिंह पंवार एवं चुनाव अधिकारी बीरबलराम रैगर की देखरेख एवं निर्देशानुसार पूर्णतया लोकतांत्रिक प्रक्रिया से सम्पन्न हुआ, जिसमें अनोप गोदारा को ब्लॉक अध्यक्ष, छैल बिहारी मीणा को ब्लॉक मंत्री एवं सियाराम मीणा को कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी एवं जिला मंत्री अरुण गोदारा सहित बज्जू ब्लॉक के सदस्य, पदाधिकारी मौजूद रहे तथा सभा को संबोधित किया।

प्रथम सत्र में ब्लॉक अध्यक्ष अनोप गोदारा ने सदन को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। ब्लॉक मंत्री छैल बिहारी

शिक्षक संघ (शेखावत) उपशाखा बज्जू का वार्षिक अधिवेशन में निर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान।

मीणा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जिसका सदन द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। वक्ताओं द्वारा संगठन के ध्येय वाक्यों लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद का विस्तारित रूप से सार बताते हुए पूर्व वर्तमान शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए वर्तमान जीवन में संगठन की जरूरत पर बल दिया। द्वितीय सत्र में नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन कर निर्वाचन अधिकारी द्वारा पदाधिकारियों को सांगठनिक शपथ ग्रहण करवाई गई।

हीट वेव को लेकर आमजन के लिए एडवाइजरी जारी

■ स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है

■ दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच खुले में निकलने से बचने की दी हिदायत

बीकानेर (निसं)। बढ़ती गर्मी और सूखे मौसम के कारण जिले भर में लू और तापघात का खतरा बना हुआ है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले के प्रत्येक अस्पताल को हीट वेव के विरुद्ध अलर्ट मोड पर रखा गया है।

सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध ने बताया कि लू तापघात से बचाव के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है कि आमजन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच खुले में निकलने से बचें। विशेषकर बुजुर्ग, बच्चों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। सूती एवं हल्के रंग के कपड़े, टोपी, चश्मा व छाते का प्रयोग करें। दोपहर के समय भारी व ज्यादा मेहनत का कार्य न करें। शरीर में पानी की कमी न होने दें और समय-समय पर पेयजल, छाछ लस्सी, आम का पन्ना, नींबू पानी, ओआरएस व अन्य तरल पदार्थ लेते रहें। ज्यादा चाय, कॉफी, कार्बोनेटेड ड्रिंक तथा अल्कोहल से बचें। खाली पेट न रहें और संतुलित भोजन करें।

बच्चों तथा पालतू जानवरों को पार्किंग की हुई गाड़ी में ना छोड़ें। सड़े-गले या बासी भोजन से दूर रहें। लू के लक्षण महसूस होने पर तुरंत प्राथमिक उपचार के साथ नजदीकी अस्पताल में संपर्क करें। डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ. लोकेश गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी के अनुसार जब किसी व्यक्ति को लू लग जाए या तापघात (हीट स्ट्रोक) हो जाए, तो शरीर का तापमान कम करें व्यक्ति को तुरंत किसी ठंडी या छायादार जगह पर ले जाएं।

उनके शरीर को गीले कपड़े से पोंछें या बार-बार ठंडे पानी से शरीर को धोएं। सिर पर सामान्य तापमान का पानी डालें। मुख्य उद्देश्य शरीर की गर्मी को तुरंत बाहर निकालना है। प्रभावित व्यक्ति को ओआरएस घोल पीने के लिए दें। यदि ऐं उपलब्ध न हो, तो नींबू पानी, तोरानी (चावल का पानी), या छाछ जैसे तरल पदार्थ दें जो शरीर को फिर से हाइड्रेट करने में मदद करें।

लू जानलेवा हो सकती है, इसलिए प्राथमिक उपचार के साथ-साथ व्यक्ति को तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। अस्पताल में भर्ती कराना आवश्यक हो सकता है। यदि संभव हो, तो व्यक्ति के तंग कपड़ों को ढीला कर दें ताकि हवा का संचार बेहतर हो सके। यदि व्यक्ति बेहोश है, तो उसे कुछ भी पिलाने की कोशिश न करें, इससे सांस नली में रुकावट आ सकती है। ऐसे में सीधे डॉक्टर के पास भागें।

गंगाशहर सैटेलाइट अस्पताल में गर्मी से राहत के लिए किए अतिरिक्त इंतजाम

■ पर्यावरण का ध्यान रखते हुए यूज एण्ड थ्रॉ की गिलास आदि प्रयोग नहीं करके स्टील के लोटों व गिलासों का उपयोग किया गया

बीकानेर (निसं)। प्रचंड गर्मी को देखते हुए गंगाशहर के राजकीय सैटेलाइट अस्पताल में रोगियों और परिजनों को राहत देने के लिए गंगाशहर नागरिक परिषद ने अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। परिषद के कोषाध्यक्ष महेन्द्र चौपड़ा ने बताया कि ओपीडी कक्ष, वार्ड, नेत्र, दंत, प्रसूति, प्रयोगशाला, एक्स-रे और सोनोग्राफी कक्ष पहले से वातानुकूलित हैं, जबकि गैलरी और वेटिंग एरिया में कूलर व पंखे लगाए गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार के पास पंजीकरण व दवा वितरण केंद्र के सामने बड़े कूलर लगाए गए और धूप से बचाव के लिए खुले हिस्से को टेंट से ढका गया।

इसके लिए अस्पताल अधीक्षक मुकेश बाल्मिकी को दो नए कूलर भी भेंट किए गए। बच्छराज रांका ने बताया कि इसके साथ ही दो प्याऊ और चार जल कूलर से शीतल पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। साधुमार्गी जैन श्रावक संघ ने छाछ सेवा जारी रखने की बात कही। समता युवा संघ के अध्यक्ष मुकेश सेठिया ने बताया कि इस व्यवस्था में पर्यावरण का ध्यान रखते हुए यूज एण्ड थ्रॉ की गिलास आदि प्रयोग नहीं करके स्टील के लोटों व गिलासों का उपयोग किया गया। इस अवसर पर नवरतन सेठिया, जेठमल सुराना, बीरेंद्र डागा, जतनलाल पुगलिया, लूणकरण सुराना, शांतिलाल बोथरा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीकानेर-जसरासर हाईवे पर बिजली का पोल लटका

नापासर (निसं)। बीकानेर-जसरासर स्टेट हाईवे 20बी पर नापासर और सिंथल के बीच क्षतिग्रस्त बिजली का पोल इन दिनों गंभीर खतरे का कारण बना हुआ है। 27 अप्रैल की रात आए तेज तूफान में यह पोल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और अब यह तारों के सहारे लटका हुआ है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। यह मार्ग सुजानगढ़, बीदासर, छापर और जसरासर को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है, जहां से रोजाना हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। स्थानीय दुकानदार महावीर ओझा और मुकेश भार्गव ने बताया कि इस संबंध में विद्युत विभाग के सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता सहित अन्य अधिकारियों को मौखिक सूचना दी जा चुकी है। हालांकि, आठ दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस संबंध में सहायक अभियंता कपिल गुप्ता ने बताया कि 27 अप्रैल के तूफान में विभाग के लगभग 250 बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि यह मामला उनके संज्ञान में है और सोमवार को इस पर कार्य करवा दिया जाएगा।

नहर किनारे कचरे का अंबार, सफाई अभियान पर सवाल

अरजनसर (निसं)। सरकार के स्वच्छता अभियान और लाखों-करोड़ों के बजट के बावजूद भी पंचायतें पूरी तरह फेल साबित हो रही हैं। पशु बाहुल्य गांवों में गलियां गोबर और कचरे से अटी पड़ी हैं, जबकि नालियां पॉलिथिन और कचरे से जाम होकर लोगों का जीना दूभर कर रही हैं।

हल्की बारिश होते ही हालात और बिगड़ जाते हैं। सड़कों पर जमा गंदा पानी कीचड़ में बदलकर आमजन का आवागमन बाधित कर देता है। गौरव पथ तक दलदल में तब्दील हो चुका है, लेकिन जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मी नारायण ओझा का कहना है कि पर्याप्त बजट और सरकारी आदेशों के बावजूद पंचायतों ने सफाई व्यवस्था को गंभीरता से नहीं लिया। कंवरसेन लिफ्ट नहर और अरजनसर-रामसरा-जसवंतसर मार्ग के किनारे कचरे के ढेर लगे हैं। लोग खुलेआम कचरा नहर में डाल रहे हैं।

एनएच-62 हाईवे के किनारे फैली गंदगी और उठती दुर्गंध राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। बाजार और पेयजल डिग्गियों तक की सफाई दुकानदारों को अपने खर्चे से करवानी पड़ रही है। स्थानीय व्यापारी प्रेम शर्मा का कहना है कि अगर वे खुद सफाई नहीं करवाएं तो हालात और भी बदतर हो जाएं। ग्रामीणों का आरोप है कि बरसाती पानी निकासी के लिए खुदवाए गए ट्यूबवेल भी बेकार पड़े हैं।

फिट इंडिया मूवमेंट 'संडे ऑन साइकिल का आयोजन

बीकानेर (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर में 'अन्नदाता फिटनेस राइड' थीम पर रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता, वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर प्रो. बी.एन. श्रृंगी ने साइकिल चला कर फिट इंडिया अभियान का संदेश दिया और साइकलिंग के महत्व को बताते हुए कहा कि आधुनिकता के दौर में साइकिल पीछे छूट गई और इसके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी देखने को

फिट इंडिया मूवमेंट 'संडे ऑन' साइकिल रैली निकाली

मिलते है अतः दैनिक जीवन में साइकिल को अपनाकर स्वस्थ शरीर ही नहीं अपितु स्वच्छ वातावरण भी पा सकते है।

उन्होने साइकिल को एन्टी पोल्युशन, एन्टी ओबेसिटी और एन्टी हाइपरटेंसिव डिवाइस बताया।

इस दौरान फिट इंडिया बीकानेर के समन्वयक सुरेन्द्र कूकणा, जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष, एशियाड खेल प्रतिभागी जालाराम सारण, पूर्व अधिष्ठाता वेटरनरी महाविद्यालय प्रो. जे.एस. मेहता, निर्देशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूड़िया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. पंकज कुमार थानवी, निर्देशक कार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़, प्रभारी खेल डॉ. प्रवीण पिलानिया, महाविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में साइकिल चलाकर उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

सिंधी दुर्गा माता मंदिर में लगाया रक्तदान शिविर

सूरतगढ़ (निसं)। माता के मंदिर में भानुशाली काछी सिंधी समाज सेवा समिति और भानुशाली सिंधी काछी युवा संघ ने रविवार को तीसरे रक्तदान शिविर का आयोजन किया। सिंधी दुर्गा माता मंदिर में आयोजित इस शिविर में कुल 93 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

शिविर का शुभारंभ मां दुर्गा की ज्योत प्रज्वलित कर किया गया। सूरतगढ़ कॉलेज के सहायक आचार्य पीतांबर मंगानी और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भगवानगढ़ के व्याख्याता कन्हैयालाल खानियाँ मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने रिबन काटकर शिविर का विधिवत उद्घाटन किया और इस सामाजिक पहल की सराहना की। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष होतचंद फुलिया ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी जरूरतमंद की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने समाज के सदस्यों और युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर को सफल बनाने में समाज के संरक्षक किशन लाल मंगानी, सचिव कुंदन कटारिया, उपाध्यक्ष प्रभु दयाल डामा, सह सचिव प्रेम कुमार फुलिया, कोषाध्यक्ष किशन लाल बदरा सहित आदि सदस्यों ने भी अपना सक्रिय सहयोग दिया। भानुशाली काछी सिंधी युवा संघ के अध्यक्ष तरुण फुलिया और उनकी टीम ने श्री चैरिटेबल ब्लड सेंटर सूरतगढ़ की टीम का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

श्वसन रोग अस्पताल में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की कवायद तेज

बीकानेर (निसं)। प्रिंस बिजयसिंह मेमोरियल अस्पताल के श्वसन रोग विभाग (टीबी एवं चेस्ट अस्पताल) में व्यवस्थाओं के सुधार को लेकर विभागाध्यक्ष बनने के तुरंत बाद डॉ. गुंजन सोनी सक्रिय हो गए हैं। प्राचार्य पद के अनुभव का लाभ अब श्वसन रोग विभाग को मिलता नजर आ रहा है। इस क्रम में डॉ. सोनी ने शनिवार को मैट्रन, नर्सिंग अधिकारियों, वार्ड इंचार्ज, बायोमेडिकल इंजीनियर और सफाई ठेकेदार की संयुक्त बैठक ली, जिसमें अस्पताल की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि जिन वार्डों में सफाई, मरीजों की देखभाल, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन और मां योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य होगा, उन्हें हर माह ट्रॉफी और 1000 रुपये का नकद प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह प्रोत्साहन स्वयं विभागाध्यक्ष डॉ. सोनी की ओर से प्रदान किया जाएगा। नर्सिंग स्टाफ को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सभी नर्सिंग अधिकारी निर्धारित यूनिफॉर्म में रहेंगे और ड्यूटी के दौरान अनावश्यक मोबाइल उपयोग नहीं करेंगे। अस्पताल में सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी नर्सिंग अधिकारियों को सौंपी गई है, जिसकी निगरानी आरएमओ डॉ. प्रमोद ठाकराल द्वारा की जाएगी। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनी ने स्पष्ट किया कि मरीजों से संबंधित कोई भी शिकायत उनके कार्यालय तक नहीं पहुंचनी चाहिए। साथ ही, सभी महत्वपूर्ण उपकरण जैसे बाइपैप मशीन, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट सुचारु रूप से कार्य करें, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी वार्ड में उपकरण या दवाओं से संबंधित समस्या होने पर तत्काल विभागाध्यक्ष को अवगत कराने को कहा गया है। बिजली आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए हैं। छोटे-मोटे मरम्मत कार्यों के लिए डॉ. जितेंद्र आचार्य को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि किसी भी तकनीकी समस्या का समय पर समाधान हो सके। इसके अलावा, टीबी एवं चेस्ट अस्पताल में एक नया छप्पड़ शुरू करने की योजना भी बनाई गई है। इसके लिए आवश्यक मामूली सिविल कार्य हेतु पीडब्ल्यूडी के एईएन को अवगत करा दिया गया है, ताकि जल्द से जल्द संचालन शुरू किया जा सके। डॉ. गुंजन सोनी ने बैठक के दौरान कहा कि स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर कि मंशा अनुसार विभाग के प्रत्येक रोगी को स्वास्थ्य विभाग कि प्रत्येक योजना का लाभ देने हेतु हम प्रतिबद्ध है, उपचार के आभाव मे किसी रोगी को कोई परेशानी नहीं आने दी जायेगी उल्लेखनीय है कि डॉ. गुंजन सोनी के नेतृत्व में श्वसन रोग विभाग में व्यवस्थाओं को सुधारने की दिशा में सख्त और प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

मैन पावर आपूर्ति के ठेकों में हुई कथित गड़बड़ियों की परतें जल्दी ही खुलेंगी

बीकानेर (निसं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और पीबीएम अस्पताल में मैन पावर आपूर्ति के ठेकों में हुई कथित गड़बड़ियों की परतें जल्दी ही खुलेंगी। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की वित्तीय सलाहकार दीपा गुप्ता और एएओ प्रथम जयराम मीणा की टीम जरूरी दस्तावेज लेकर जयपुर लौट गए हैं। अब दस्तावेजों की जांच वहीं पर होगी। दरअसल, यह पूरी कार्रवाई पूर्व विधायक मानवेंद्र सिंह जसोल की शिकायत के बाद शुरू हुई। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मैन पावर के वर्तमान और पूर्व में हुए सभी ठेकों की जांच करवाने का आग्रह किया था।पत्र में मेडिकल कॉलेज के अधीन पीबीएम सहित अन्य अस्पतालों में संविदा के नाम पर मनमाने नियम एवं शर्तों पर अथवा बिना टेंडर के ही फर्म विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से टेंडरों के अनुमोदन और कार्यादेशों जारी करने के आरोप हैं। पीबीएम हॉस्पिटल में टेंडरों में गड़बड़ियों को लेकर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष छैलूसिंह ने पूर्व विधायक मानवेंद्र सिंह को परिवाद देकर जांच कराने की गुहार की थी। मुख्य सचिव के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा निदेशालय से वित्तीय सलाहकार दीपा गुप्ता और एएओ प्रथम जयराम मीणा की टीम को बीकानेर भेजा गया था। टीम ने लेखा शाखा से मैन पावर के वर्तमान और पूर्व में हुए टेंडरों और भुगतान के दस्तावेज लिए हैं, जिनकी जयपुर में जांच होगी। इस साल पीबीएम हॉस्पिटल में मैन पावर के करीब 27 करोड़ रुपए के ठेके हुए हैं। इसमें वार्ड बॉय और सुरक्षा का 19 करोड़ का ठेका एक ही फर्म मैसर्स पन्नाधाय सिक्योरिटी के पास है। सफाई का ठेका भी इस बार 6 करोड़ का हुआ है। इसके अलावा दो करोड़ का कंप्यूटर ऑपरेटरों के पुराने ठेके में एक साल से एक्सटेंशन दिया जा रहा है। चहेती फर्म को ठेका देने के लिए मनमाने नियम और शर्तें बनाने के आरोप पीबीएम प्रशासन पर लगे हैं। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय से पहली बार वित्तीय सलाहकार का दल टेंडरों में गड़बड़ियों की शिकायत की जांच के लिए भेजा गया है। इसे लेकर मेडिकल कॉलेज और पीबीएम प्रशासन का डर और चुप्पी संदेह पैदा करने वाली है। प्रिंसिपल, अधीक्षक, लेखा शाखा के अधिकारियों से जांच दल के बारे में जानकारी मांगी, लेकिन सभी टाल गए। हैरानी तो इस बात की है कि दल के सदस्यों का नाम तक बताने से गुरेज करते रहे। कॉलेज के एफए ने फोन ही नो रिप्लाई कर दिया, जबकि विभाग से इस संबंध में जारी पत्र इन सभी के पास पहुंचा है। यह पत्र भी कोई गोपनीय नहीं है।

ग्राम रथ अभियान में दी राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

बीकानेर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 23 से 25 मई तक जयपुर में होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) के प्रचार-प्रसार और ग्रामीणों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देने का अभियान रविवार को भी जारी रहा। ग्राम रथ अभियान के तहत जिले के पांचों ग्रामीण क्षेत्रों की 28 ग्राम पंचायतों में रथों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रत्येक पंचायत से जनप्रतिनिधियों, कार्मिकों और क्षेत्र के मौजूदा लोगों ने इन रथों को अगली पंचायत के लिए रवाना किया। रथों के साथ लोक कलाकारों के कला जत्थों ने पारंपरिक तरीके और लोक गीतों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं सभी 13 विभागों के 19 हजार 404 से अधिक प्रचार साहित्य का वितरण किया गया। अभियान के तहत प्रचार रथ लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के बालादेसर, महाजन, अर्जुनसर स्टेशन, रामसरा व चकजोहड़ में, कोलायत विधानसभा क्षेत्र के मोडायत, माणकासर, संतोषनगर, जागणवाला व बागडसर में, श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के इंद्रपालसर सांखलान, इंद्रपालसर गुसाईंसर, बाना, रीडी व उपनी में, खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के 1 डीएलएम, रामनगर, कृष्णनगर, खारबारा, भानसर, तख्तपुर व शेरपुरा में, नोखा विधानसभा क्षेत्र के दावा, शिल्वा, बंधला, केडली, स्वरूपसर व काहिरा ग्राम पंचायत पहुंचे। सभी 28 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में कुल 9 हजार 465 ग्रामीणों (पुरुष एवं महिला) ने सहभागिता की। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के आवेदन भी करवाए गए।

क्यूआर कोड के जरिए शहरवासी अपनी राय दे सकेंगे

श्रीगंगानगर (निसं)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर केंद्रीय जांच टीम कभी भी श्रीगंगानगर आ सकती है। नगरपरिषद ने अपने स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। 25 लाख रुपए का टेंडर लगाकर श्वानों की नसबंदी शुरू कर दी गई है। अब तक 60 से अधिक श्वानों की नसबंदी व रेबीज टीकाकरण किया जा चुका है। आवारा पशुओं को उठाने के लिए टीम लगाई गई है। इन पशुओं को गोशालाओं व नंदीशाला में भिजवाया जा रहा है। बाजार क्षेत्र में रात्रिकालीन सफाई भी शुरू कर दी गई है। उद्देश्य एक ही है। बीते वर्षों में लगातार स्वच्छता सर्वेक्षण में पिछड़ रहे शहर को इस साल अच्छे अंक मिल सकें। नगरपरिषद ने स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत एक प्रगति पुस्तिका भी जारी की है। इस 20 पेज की पुस्तिका में नगरपरिषद की ओर से करवाए जा रहे कार्यों के साथ आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई है। परिषद ने क्यूआर कोड भी जारी किया है। इसके जरिए शहरवासी अपनी राय दे सकेंगे। नगरपरिषद आयुक्त राकेश कुमार ने बताया कि इस पुस्तिका में बताया गया है कि परिषद श्रीगंगानगर क्षेत्र में 1032 सफाई मित्रों की ओर से दो पारियों में नियमित रूप से सफाई कार्य करवा रही है। शहर के सभी 65 वार्डों में 45 ऑटो टिपर व 80 ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया गया है। सीवरेज सफाई व रखरखाव के लिए 3 सीवर सेक्शन मशीन, 1 जेटिंग मशीन व 1 सुपर सकर मशीन उपलब्ध है।नागरिकों को गीले व सूखे कचरे के पृथक्करण हेतु विभिन्न वार्डों में निरंतर जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। हमारा पूरा प्रयास है कि इस बार सर्वेक्षण में शहर की रैंकिंग में सुधार हो। सीटीयू रूपांतरण: अस्थायी डंपिंग प्वाइंटों को हटाकर वहां ट्री गार्ड सहित पौधे लगाए जा रहे हैं। लोगों के बैठने के लिए बेंच लगाई जा रही हैं ताकि लोगों को गंदगी से स्थायी निजात मिल सके।